मेरा बाबा आएगा | By Kumar Deepak

ग़म का अँधेरा ये जल्दी ढल जाएगा
मन में भरोसा है मेरा बाबा आएगा
लीले चढ़ आएगा मेरी लाज बचाएगा
ग़म का अँधेरा ये.....

श्याम सुने न ये हो नहीं सकता
बस भगतों के ये भाव परखता
जो भाव अटल हो तो ये रुक नहीं पायेगा
ग़म का अँधेरा ये.....

आस पुराये रोते हंसाये
मेरा सांवरा हारे को जिताये
विश्वास है ये मुझको मुझको भी जिताएगा
ग़म का अँधेरा ये.....

लहरें चाहे जितनी डराएं
तूफ़ान चाहे जितने भी आएं
निर्मल की नैया को मेरा श्याम चलाएगा
ग़म का अँधेरा ये.....

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%ae%e0%a5%87%e0%a4%b0%e0%a4%be-%e0%a4%ac%e0%a4%be%e0%a4%ac%e0%a4%be-%e0%a4%86%e0%a4%8f%e0%a4%97%e0%a4%be-by-kumar-deepak/